आईसीएआर-एनआईएनएफटी कोलकाता में आयोजित "कृषि-व्यवसाय ऊष्मायन, बौद्धिक संपदा और स्टार्ट अप इकोसिस्टम" पर कार्यशाला

जनवरी 19, 2023, कोलकाता:

आईसीएआर- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता ने 19 जनवरी, 2023 को आईसीएआर-एनआईएनएफईटी परिसर में "एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड स्टार्ट अप इकोसिस्टम" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया है। 26 वैज्ञानिक, 15 एबीआई इनक्यूबेट्स और स्टार्ट-अप्स शारीरिक रूप से कार्यशाला में शामिल हुए।

उद्घाटन भाषण में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण विभाग के प्रमुख डॉ. आलोक नाथ रॉय ने कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य और सभी हितधारकों को एक दूसरे के लाभ के लिए एक सामान्य मंच के तहत लाने का वर्णन किया।

उसके बाद डॉ. डी. बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में, डॉ. शाक्यवार ने आईसीएआर-एनआईएनएफटी के आईपी संरक्षण के इतिहास के बारे में जानकारी दी और उन्होंने आईपी की हमारी विरासत का उल्लेख 1955 से शुरू किया जो आज तक एक बड़े और सफल आयाम के साथ जारी है।

एक विचारोत्तेजक प्रस्तुति के माध्यम से डॉ. के. श्रीनिवास, सहायक महानिदेशक, बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन, ने वीसी मोड के माध्यम से "एग्री-स्टार्टअप इकोसिस्टम इन इंडिया" को बहुत ही शानदार तरीके से वर्णित किया।

डॉ. यशवंत देव पंवार, वैज्ञानिक एफ, प्रमुख पेटेंट सुविधा केंद्र (पीएफसी), टीआईएफएसी अगले वक्ता थे जिन्होंने पूरे भारत में स्टार्टअप परिदृश्य की पोस्ट कोविड-19 स्थिति पर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वीसी मोड के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. वी. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विस्तार, बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन इकाई ने "आईपीआर @ आईसीएआर: बौद्धिक संपत्ति प्रबंधन और लाइसेंसिंग" शीर्षक से अपनी प्रस्तुति के माध्यम से आईसीएआर मुख्यालय की आईपी प्रबंधन इकाई के इतिहास का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बौद्धिक संपदा पर्यावरण और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण में एनआईएनएफईटी के प्रयास की भी सराहना किया।

श्री दीपक कुमार साहू, सहायक प्रबंधक, नाबार्ड ने अपने संबोधन में किसानों, स्टार्टअप और वैज्ञानिक समुदायों के लाभ के लिए नाबार्ड के तहत उपलब्ध विभिन्न योजनाओं का संक्षेप में उल्लेख किया।

डॉ. एस.बी. रॉय, प्रमुख, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभाग ने इस भव्य आयोजन के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागियों को अपना आभार और धन्यवाद दिया।

A brief Report on "Agri-Business Incubation, Intellectual Property and Start up Ecosystem" at ICAR-NINFET Kolkata on *19th January, 2023*

January 19, 2023, Kolkata:

The ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata has organized a workshop on "Agri-Business Incubation, Intellectual Property and Start up Ecosystem" on 19th January, 2023 at ICAR-NINFET premises. 26 Scientists, 15 promising ABI Incubates and Start-ups joined the Workshop physically.

At the inauguration speech **Dr. Alok Nath Roy**, Head, Transfer of Technology Division described the main intention of organizing the Programme and to bring all the stakeholders under a common platform for benefit of each other.

After that **Dr D. B. Shakyawar**, Director, ICAR-NINFET welcomed all the dignitaries present physically and through on-line. In his welcome address, Dr. Shakyawar, briefed about the history of IP protection of ICAR-NINFET and he mentioned our legacy of IP started since 1955 which continues till date with a big and successful dimension.

Through a thought provocating presentation **Dr. K. Srinivas,** Assistant Director General, Intellectual Property & Technology Management, described the "**Agri-Startup Ecosystem in India"** in a very luminous way through VC Mode.

Dr. Yashawant Dev Panwar, Scientist F, Head Patent Facilitating Center (PFC), TIFAC was the next speaker who presented his views through VC Mode by his presentation on Post COVID-19 status of Startup scenario in pan India.

Dr. V. Singh, Senior Scientist, Agriculture Extension, Intellectual Property & Technology Management Unit briefly described the history of IP management Unit of ICAR Head Quarter through his presentation entitled "IPR@ICAR: Intellectual Assets Managements and Licensing" . He also appreciated the endeavour of NINFET in the Intellectual property environment and technology commercialization.

Sri. Dipak Kumar Sahu, Assistant Manager, NABARD, in his address, briefly mentioned various scheme available under NABARD umbrella for the benefit of farmers, Startups and scientific communities.

Dr. S.B. Roy, Head, Transfer of Technology Division conveyed his sincere gratitude and thanks to all the participants for the successful completion of this grand event.

Dr. D. B. Shakyawar
Director, ICAR-NINFET, Kolkata